स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता शपथ

महात्मा गॉधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजदी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गॉधी ने गुलामी की जंजीरों को तोडकर मॉ भारती को आजाद कराया।

अब हमारा कर्त्तव्य हैं कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूॅ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूॅगा और उसके लिये समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गॉव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरूआत करूंगा।

मैं यह मानता हूॅ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहॉ के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मै गांव–गांव और गली–गली ''स्वच्छ भारत मिशन'' का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूॅ, वह अन्य 100 व्यक्तियों को भी कराऊंगा। वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिये 100 घंटे दें, इसके लिये प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम हैं कि स्वच्छता की तरफ बढाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मद्द देगा।